अध्याय 11: झाँसी की रानी

विषय-सूची

4 प्रश्नावली · 13 प्रश्न

प्रश्नावली 11.1	मेरे उत्तर मेरे तर्क	5 प्रश्न
प्रश्नावली 11.2	मेरी समझ मेरे विचार	5 प्रश्न
प्रश्नावली 11.3	व्याकरण — शब्द एक अर्थ अनेक	2 प्रश्न
प्रश्नावली 11.4	मुहावरे	1 प्रश्न

प्रश्नावली 11.1 — मेरे उत्तर मेरे तर्क

प्रश्न 1

'झाँसी की रानी' कविता की पंक्ति "बूढ़े भारत में भी आई फिर से नई जवानी थी" में 'नई जवानी' शब्द किस भाव को व्यक्त करता है? (क) देश का स्वाभिमान (ख) विद्रोह की चिंगारी (ग) स्वाधीनता का भय (घ) भारत की युवावस्था

हल

पंक्ति '"बूढ़े भारत में भी आई फिर से नई जवानी थी"' उस समय का वर्णन करती है जब 1857 में भारत के लोगों ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का संकल्प किया।

'बूढ़ा भारत' दीर्घकाल से दबी हुई भारत की आत्मा का प्रतीक है। 'नई जवानी' आने का अर्थ है — अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह की चिंगारी भड़कना।

अतः उत्तर है: (ख) विद्रोह की चिंगारी।

यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि अगली पंक्ति में ही लिखा है — 'दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी', जो विद्रोह की भावना को स्पष्ट करती है।

उत्तर: (ख) विद्रोह की चिंगारी

प्रश्न 2

लक्ष्मीबाई को 'छबीली' कहना उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है? (क) विनम्रता (ख) शोभायुक्त (ग) सहिष्णुता (घ) कठोरता

हल

'छबीली' शब्द का अर्थ है — तेजस्वी, सुंदर, छवि वाली, सजीली।

कविता में 'काँनपूर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी' — यहाँ 'छबीली' लक्ष्मीबाई के आकर्षक और शोभायुक्त व्यक्तित्व को दर्शाता है।

अतः उत्तर है: (ख) शोभायुक्त।

यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि 'छबीली' का मूल अर्थ छवि-संपन्न या शोभावती होना है।

उत्तर: (ख) शोभायुक्त

प्रश्न 3

"बुझा दीप झाँसी का" पंक्ति का भावार्थ है— (क) अंग्रेजों का झाँसी पर अधिकार हो जाना (ख) झाँसी राज्य की उम्मीदों का नष्ट हो जाना (ग) राजा की आकस्मिक मृत्यु होना (घ) रानी के जीवन में उदासी होना

हल

पंक्ति है — 'बुझा दीप झाँसी का तब डलहौजी मन में हरषाया'।
यहाँ 'दीप' = राजा गंगाधर राव (रानी के पति) का प्रतीक है। जब वे निःसंतान मृत्यु को प्राप्त हुए, तो झाँसी का 'दीप' बुझ गया।
इस पंक्ति का सीधा संदर्भ राजा की आकस्मिक मृत्यु और उससे झाँसी के राजवंश का अंत होने से है।
अतः उत्तर है: (ग) राजा की आकस्मिक मृत्यु होना।
यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि अगली पंक्तियों में डलहौजी के हर्षाने और झाँसी हड़पने का वर्णन है, जो राजा की मृत्यु के परिणामस्वरूप हुआ।

उत्तर: (ग) राजा की आकस्मिक मृत्यु होना

प्रश्न 4

"इस स्वतंत्रता-महायज्ञ में कई वीरवर आए काम" पंक्ति में स्वतंत्रता आंदोलन की किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया गया है? (क) असहयोग आंदोलन (ख) भारत छोड़ो आंदोलन (ग) 1857 की क्रांति (घ) सविनय अवज्ञा आंदोलन

हल

यह कविता 1857 की क्रांति की पृष्ठभूमि पर लिखी गई है।
पंक्ति में 'स्वतंत्रता-महायज्ञ' कहकर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन है। इसी संग्राम में नाना धुंधूपंत, तात्या, अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, कुँवरसिंह आदि 'वीरवर' काम आए।
अतः उत्तर है: (ग) 1857 की क्रांति।
यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि सम्पूर्ण कविता 1857 की क्रांति और रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित है।

उत्तर: (ग) 1857 की क्रांति

प्रश्न 5

"व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया" पंक्ति में 'यह' शब्द किसके लिए कहा गया है? (क) नवाबों के लिए (ख) जनरल डलहौजी के लिए (ग) लेफ्टिनेंट वॉकर के लिए (घ) ब्रिटिश राज के लिए

हल

पंक्ति है — 'अनुनय-विनय नहीं सुनता है, विकट फिरंगी की माया, व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया'।
'यह' सर्वनाम यहाँ 'फिरंगी' (अंग्रेज/ब्रिटिश शासन) के लिए प्रयुक्त हुआ है। ईस्ट इंडिया कंपनी पहले व्यापार के बहाने भारत आई और धीरे-धीरे यहाँ शासन स्थापित कर लिया।
अतः उत्तर है: (घ) ब्रिटिश राज के लिए।

यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि 'विकट फिरंगी की माया' कहकर कवयित्री ने ब्रिटिश साम्राज्य की कुटिल नीति की ओर संकेत किया है।

उत्तर: (घ) ब्रिटिश राज के लिए

प्रश्नावली 11.2 — मेरी समझ मेरे विचार

प्रश्न 1

'झाँसी की रानी' कविता के आधार पर बताइए कि लक्ष्मीबाई के प्रिय खेल कौन-कौन से थे? उनका बचपन दूसरों से किस प्रकार भिन्न था?

हल

कविता की पंक्तियों के अनुसार — 'बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी'।
लक्ष्मीबाई के प्रिय खेल थे: नकली युद्ध करना, व्यूह की रचना करना, शिकार खेलना, सेना घेरना और दुर्ग तोड़ना।
इसके अतिरिक्त वे बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी जैसे शस्त्रों से खेलती थीं — ये उनकी 'सहेलियाँ' थीं।
उनका बचपन दूसरों से भिन्न था — वे नाना धुंधूपंत के साथ पढ़ती और खेलती थीं। वीर शिवाजी की गाथाएँ उन्हें जुबानी याद थीं।
जहाँ सामान्य लड़कियाँ गुड़िया-गुड्डे खेलती थीं, लक्ष्मीबाई शस्त्र विद्या और युद्धकला में दक्ष हो रही थीं।

उत्तर: लक्ष्मीबाई के प्रिय खेल नकली युद्ध, व्यूह-रचना, शिकार, सेना-घेरना और दुर्ग तोड़ना थे। वे बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी से खेलती थीं। उनका बचपन सामान्य लड़कियों से भिन्न था — वे शस्त्र-विद्या और वीरता की गाथाओं में रुचि रखती थीं।

प्रश्न 2

"किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई" पंक्ति के माध्यम से किस घटना की ओर संकेत किया गया है?

हल

पंक्ति का सन्दर्भ: 'उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजयाली छाई, किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई।'
'कालगति' = समय की गति / भाग्य की विडंबना। 'काली घटा' = दुख और विपदा का प्रतीक।
इस पंक्ति में राजा गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु की ओर संकेत है।
विवाह के बाद झाँसी में खुशियाँ थीं, परंतु राजा जी निःसंतान ही मृत्यु को प्राप्त हुए। यही 'काली घटा' थी जो अचानक छा गई।
इसके बाद अंग्रेजों ने 'लावारिस का वारिस' बनकर झाँसी हड़पने का प्रयास किया।

उत्तर: इस पंक्ति में राजा गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु की ओर संकेत है। विवाह के सुख के बाद अचानक राजा के निःसंतान निधन का दुख आया — यही 'काली घटा' का प्रतीक है।

प्रश्न 3

"महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने जवाला सुलगाई थी" पंक्ति समाज के विभिन्न वर्गों की एकता को दर्शाती है, इस एकता का स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में क्या महत्व है?

हल

पंक्ति 'महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने जवाला सुलगाई थी' में 'महल' धनी-सामंत वर्ग का और 'झोंपड़ी' सामान्य जनता का प्रतीक है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में राजे-महाराजे (महल) और सामान्य जन (झोंपड़ी) दोनों ने मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया।

इस एकता का महत्व:

• अमीर-गरीब, ऊँच-नीच सभी एक लक्ष्य — स्वाधीनता — के लिए एकजुट हुए।

• यह एकता औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध व्यापक जन-आंदोलन की नींव बनी।

• झाँसी, दिल्ली, लखनऊ, मेरठ, कानपुर, पटना — सभी जगह विद्रोह की लहर फैली।

• यह एकता यह सिद्ध करती है कि स्वतंत्रता का संघर्ष किसी एक वर्ग का नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र का था।

उत्तर: महलों (संपन्न वर्ग) और झोंपड़ियों (सामान्य जन) की एकता ने 1857 के संग्राम को व्यापक आंदोलन बनाया। अमीर-गरीब सभी एकजुट होकर अंग्रेजों के विरुद्ध लड़े — यह राष्ट्रीय एकता स्वतंत्रता-संग्राम की सबसे बड़ी शक्ति थी।

प्रश्न 4

"सरे-आम नीलाम छापते थे अंग्रेजों के अखबार" पंक्ति में 'नीलाम छापते' शब्द किसकी ओर संकेत करता है? यह भी बताइए कि किसकी नीलामी की जाती थी और क्यों?

हल

पंक्ति का सन्दर्भ: 'रानी रोई रनिवासों में, बेगम गम से थीं बेजार, उनके गहने-कपड़े बिकते थे कलकत्ते के बाजार, सरे-आम नीलाम छापते थे अंग्रेजों के अखबार।'

'नीलाम छापते' — अंग्रेजी अखबारों में भारतीय रानियों और नवाबों की संपत्ति, गहने और कपड़ों की नीलामी की सार्वजनिक विज्ञापन छापे जाते थे।

किसकी नीलामी होती थी: अपदस्थ भारतीय राजाओं, नवाबों और बेगमों की निजी संपत्ति की — जैसे नागपूर के जेवर, लखनऊ का नौलख हार।

क्यों: अंग्रेजों ने 'व्यपगत सिद्धांत' (Doctrine of Lapse) और साम्राज्य-विस्तार नीति के तहत भारतीय राज्यों पर अधिकार कर लिया। उनकी संपत्ति को लूटकर नीलाम किया जाता था।

यह भारतीय सम्मान और परदे की इज्जत को सार्वजनिक रूप से नष्ट करने का प्रतीक था।

उत्तर: 'नीलाम छापते' शब्द अंग्रेजी अखबारों में भारतीय रानियों-नवाबों की संपत्ति की सार्वजनिक नीलामी की विज्ञापन छापने की ओर संकेत करता है। नागपूर के जेवर, लखनऊ का नौलख हार आदि नीलाम किए जाते थे — यह भारतीय सम्मान के साथ अंग्रेजों की क्रूरता का प्रतीक था।

प्रश्न 5

"अभी उम्र कुल तेइस की थी, मनुज नहीं अवतारी थी" पंक्ति में 'अवतारी' शब्द व्यक्ति के विशेष गुणों की ओर इंगित कर रहा है। कविता के आधार पर बताइए कि लक्ष्मीबाई के किन गुणों के कारण उनको 'अवतारी' कहा गया है?

हल

'अवतारी' का अर्थ है — ईश्वर का मनुष्य-रूप में अवतार लेना, असाधारण शक्ति-संपन्न।
कविता के आधार पर लक्ष्मीबाई के जिन गुणों के कारण उन्हें 'अवतारी' कहा गया:
• वीरता: मात्र 23 वर्ष की आयु में असमान शत्रु से भिड़कर युद्ध किया।
• देवी-स्वरूप: 'लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार' — वे लक्ष्मी और दुर्गा दोनों का अवतार मानी गईं।
• असाधारण युद्धकौशल: तलवार के वार से मराठे पुलकित होते थे।
• अदम्य साहस: घायल होकर भी लड़ती रहीं, अंत तक शत्रु से मुकाबला किया।
• प्रेरणास्रोत: 'हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता नारी थी' — वे राष्ट्र की चेतना जागाने आई थीं।
• बलिदान: वीरगति पाकर भी स्मरणीय बनीं — 'तू खुद अमिट निशानी थी'।

उत्तर: लक्ष्मीबाई को 'अवतारी' इसलिए कहा गया क्योंकि वे लक्ष्मी और दुर्गा का साक्षात् अवतार थीं। मात्र 23 वर्ष की आयु में असाधारण वीरता, अदम्य साहस, युद्धकौशल और देशप्रेम से उन्होंने राष्ट्र की चेतना जगाई। वे मनुष्य नहीं, स्वतंत्रता की देवी थीं।

प्रश्नावली 11.3 — व्याकरण — शब्द एक अर्थ अनेक

प्रश्न 1

नीचे तालिका में दी गई कविता की पंक्तियों में रेखांकित शब्द अनेकार्थी शब्द हैं। कविता के संदर्भ में उनके सही अर्थ पर घेरा लगाइए। काव्य-पंक्ति | अर्थ • तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई | नदी का किनारा, बाण, सीसा • रानी विधवा हुई हाय! विधि को भी नहीं दया आई | शासन में लिखी व्यवस्था, प्रणाली, विधाता, तरीका • रानी ने तलवार खींच ली, हुआ द्वंद्व असमानों में | युद्ध, संशय, युग्म • हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी | किसी पदार्थ का गोल पिंड, रस्सी/सूत/बर्द का गोला, तोप से दागने वाले गोले, नारियल • मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी | आभा, गति, तेज चाकू (धार)

हल

प्रत्येक रेखांकित शब्द का कविता के संदर्भ में सही अर्थ:

• 'तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई' — यहाँ 'तीर' का अर्थ है बाण (arrow)। (लक्ष्मीबाई तीर-कमान चलाने में निपुण थीं।)

• 'रानी विधवा हुई हाय! विधि को भी नहीं दया आई' — यहाँ 'विधि' का अर्थ है विधाता (भाग्य/ब्रह्मा)। (रानी के वैधव्य पर भाग्य को भी दया नहीं आई।)

• 'रानी ने तलवार खींच ली, हुआ द्वंद्व असमानों में' — यहाँ 'द्वंद्व' का अर्थ है युद्ध (war/battle)। (रानी और अंग्रेजों के बीच असमान युद्ध हुआ।)

• 'हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी' — यहाँ 'गोलों' का अर्थ है तोप से दागने वाले गोले (cannonballs)।

• 'मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी' — यहाँ 'तेज' का अर्थ है आभा/दीप्ति (brilliance/radiance)।

उत्तर: तीर = बाण; विधि = विधाता; द्वंद्व = युद्ध; गोलों = तोप के गोले; तेज = आभा

प्रश्न 2

"काँनपूर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी" और "मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी" — इन पंक्तियों में रेखांकित शब्दों की वर्तनी में थोड़ी भिन्नता है। इस कविता में अन्य ऐसे शब्दों के प्रयोग ढूँढ़कर लिखिए जहाँ मानक वर्तनी से भिन्न वर्तनी का प्रयोग किया गया हो।

हल

कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान ने कविता की लय और छंद की आवश्यकता के कारण कुछ स्थान-नामों की वर्तनी मानक रूप से भिन्न लिखी है (प्रायः दीर्घ स्वर जोड़कर)।

काँनपूर / कानपूर (मानक: कानपुर) — 'पूर' में दीर्घ ऊ का प्रयोग।

नागपूर (मानक: नागपुर)।

उदैपूर (मानक: उदयपुर)।

देहली (मानक: दिल्ली)।

ये परिवर्तन छंद की गेयता और लय बनाए रखने के लिए की गई काव्य-स्वतंत्रता हैं।

उत्तर: मानक वर्तनी से भिन्न प्रयोग: काँनपूर/कानपूर (कानपुर), नागपूर (नागपुर), उदैपूर (उदयपुर), देहली (दिल्ली) — कवयित्री ने छंद की लय-गेयता के लिए दीर्घ स्वर आदि का प्रयोग किया है (काव्य-स्वतंत्रता)।

प्रश्नावली 11.4 — मुहावरे

प्रश्न 1

पाठ में से चुनकर नीचे दी गई पंक्तियों में आए मुहावरे ढूँढ़कर लिखिए और उन मुहावरों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य भी बनाइए। काव्य-पंक्ति | प्रयुक्त मुहावरा | नया वाक्य (उदाहरण) अबके जनरल स्मिथ सन्मुख था, उसने मुँह की खाई थी | मुँह की खाना | मोहन ने सोचा था कि वह आसानी से जीत जाएगा लेकिन अंत में उसे मुँह की खानी पड़ी। 2. डलहौजी ने पैर पसारे अब तो पलट गई काया 3. राजाओं नव्वाबों को भी उसने पैरों ठुकराया 4. हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो/ सोई ज्योति जगानी थी 5. मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी

हल

पंक्ति 2: 'डलहौजी ने पैर पसारे अब तो पलट गई काया'

• मुहावरा: पैर पसारना — अर्थ: अनुचित रूप से विस्तार करना / अधिकार जमाना

• नया वाक्य: पड़ोसी देश ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू कर दिए।

पंक्ति 3: 'राजाओं नव्वाबों को भी उसने पैरों ठुकराया'

• मुहावरा: पैरों ठुकराना — अर्थ: अपमानपूर्वक तिरस्कार करना / दुत्कारना

• नया वाक्य: उस अहंकारी व्यापारी ने सहायता माँगने आए गरीब को पैरों ठुकरा दिया।

पंक्ति 4: 'हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो/ सोई ज्योति जगानी थी'

• मुहावरा: सोई ज्योति जगाना — अर्थ: सुप्त चेतना या जोश को जागृत करना

• नया वाक्य: गुरुजी ने अपने भाषण से विद्यार्थियों की सोई ज्योति जगा दी।

पंक्ति 5: 'मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी'

• मुहावरा: धूम मचाना — अर्थ: बड़ा हंगामा या शोर मचाना / बड़ी हलचल करना

• नया वाक्य: नई फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई।

उत्तर: पैर पसारना = अनुचित विस्तार करना; पैरों ठुकराना = अपमानपूर्वक दुत्कारना; सोई ज्योति जगाना = सुप्त चेतना जागृत करना; धूम मचाना = बड़ा हंगामा करना।